भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1416

गुरूवार, 31 जुलाई, 2025/9 श्रावण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

वैश्विक स्तर पर एमआईसीई उद्योग को बढ़ावा देना

1416 डा. सुमेर सिंह सोलंकी:

डा. कल्पना सैनी:

श्री मोकरिया रामभाई:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत में और वैश्विक स्तर पर बैठक, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी (एमआईसीई) उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या सरकार भारतीय शहरों को दुनिया के शीर्ष एमआईसीई संबंधी उद्योग में शामिल करने की योजना बना रही है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) 2024 में भारत में एमआईसीई बाजार से कुल कितना राजस्व सृजित हुआ है और वर्ष 2030 तक इसकी अपेक्षित वृद्धि का तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): एमआईसीई पर्यटन सहित पर्यटक स्थलों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन का उत्तरदायित्व है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय, अपने चल रहे कार्यकलापों के तहत, सोशल मीडिया और वेबसाइटों के साथ-साथ विभिन्न माध्यमों से एमआईसीई पर्यटन सहित भारत का एक समग्र पर्यटन स्थल के रूप में नियमित रूप से संवर्धन करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने एमआईसीई को पर्यटन के एक महत्वपूर्ण भाग के रूप में चिह्नित किया है। मंत्रालय ने देश में एमआईसीई उद्योग के विकास को बढ़ावा देने के लिए एमआईसीई उद्योग के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप भी तैयार किया है। एमआईसीई कार्यनीति दस्तावेज़ में निम्नलिखित प्रमुख स्तंभ चिह्नित किए गए हैं:

i. एमआईसीई के लिए संस्थागत समर्थन
ii. एमआईसीई के लिए इको-सिस्टम का विकास करना
iii. भारतीय एमआईसीई उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना
iv. एमआईसीई आयोजनों के लिए व्यापार में सुगमता को बढ़ाना
v. भारत का एमआईसीई गंतव्य के रूप में विपणन करना
vi. एमआईसीई उद्योग के लिए कौशल विकास

*****